पवई, सलेहा, शाहनगर व बृजपुर थाने में नहीं होती लोगों की सुनवाई

मजबूर होकर पीड़ित आते हैं जिला मुख्यालय

नवभारत न्यूज

पन्ना 26 अक्टूबर। जिले मे कुछ थानों में फरियादियों की सुनाई न होने से लोग जिला मुख्यालय आकर अपनी पीड़ा सुनाते हैं गत दिवस पवई, बृजपुर एवं शाहनगर थाना क्षेत्र के लोगों ने तीनों थाना प्रभारियों पर आरोप लगाये कि वहां फरियादियों की कोई सुनाई नहीं होती है इसलिए वे जिला मुख्यालय वे पुलिस अधीक्षक के यहां फरियाद सुनाने आये हैं।

पुलिस थाना स्तर पर फरियादियों के हत्या, लाखों की चोरी, बेदम मारपीट जैसे मामलों में शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है। मनमानी करने वाले जिम्मेदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे मामले रोज सामने आ रहे हैं।

पवई थाना मे आज तक नहीं हुआ चोरी का खुलासा:- पवई थाना क्षेत्र के बांधा निवासी दशरथ दहायत ने अपने घर में हुई चोरी के मामले में थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी पर गंभीर आरोप लगाए। बोले 26 सितंबर 2025 दोपहर 12 से 2 बजे के बीच घर में चोरी हुई, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। वह दोपहर 2 बजे से थाने में मौजूद था, लेकिन एफआईआर शाम 7 बजे दर्ज की गई। दशरथ का कहना है कि चोरी में नकद 1,50,000 सहित सोने- चांदी के आभूषण और अन्य सामग्री मिलाकर काफी अधिक नुकसान हुआ है। इसके बावजूद टीआई पवई त्रिवेंद्र त्रिवेदी ने सही सूची और वास्तविक मूल्य दर्ज नहीं किया। पीड़ित ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए बताया कि अब तक मामले में कोई ठोस कार्रवाई भी नहीं हुई है। पीड़ित ने अधिकारियों से टीआई के विरुद्ध विभागीय जांच की मांग की है।

बृजपुर थाना क्षेत्र मे पति, ससुर एवं देवर पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप:- ग्राम किटहा की निवासी पूजा पटेल ने अपने पति, ससुर और देवर पर आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन से न्याय की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी दयाशंकर पटेल से लगभग 7 वर्ष पूर्व हुई थी और उनके दो बच्चे भी हैं। शादी के कुछ समय बाद से ही पति द्वारा मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी जाने लगी। पीड़िता ने बताया कि 7 दिसंबर 2024 को जब वह घर में अकेली थी, तभी उसके ससुर कमल पटेल ने आकर उसे गाली-गलौज करते हुए घर से निकालने की बात कही। इसके बाद देवर दीपक भी आ गया और दोनों ने मिलकर मारपीट की, जिससे वह बेहोश हो गई। होश आने पर जब उसने अपने पति को घटना बताई तो उसने भी उल्टा उसके साथ मारपीट कर उसे बच्चों सहित घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता के अनुसार, जब वह शिकायत करने थाना बृजपुर पहुंची तो कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़िता ने एसपी से दोषियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर न्याय दिलाने की मांग की है।

सलेहा में मां बेटी को जहर देकर मारा

पिपरिया निवासी 17 वर्षीय प्रियंका सिंगरौल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए दोषियों पर तत्काल एफआइआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। मृतका की मां फूल बाई सिंगरौल ने एसपी को दि आवेदन में बताया कि उनकी बेटी को धीरेन्द्र सिंगरौल ने अपने बहकावे में लिया था। धीरेन्द्र के जीजा सुनील सिंगरौल ने उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर दूध में जहर मिलाकर पिला दिया। गंभीर हालत में किशोरी को नागौद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां होश में आने पर उसने मां को पूरा घटनाक्रम बताया। हालांकि 4 अक्टूबर 2025 की सुबह इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। परिजनों का आरोप है कि सलेहा थाने में शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। मां ने एसपी से कार्रवाई की मांग की है।

शाहनगर थाना क्षेत्र में मारपीट धमकी पर कार्रवाई नहीं

थाना शाहनगर अंतर्गत ग्राम हरदुआ मेमारी में जातिगत रंजिश को लेकर हुए विवाद में एक ग्रामीण के साथ मारपीट और अभद्र गालियां देने का मामला सामने आया है। पीड़ित रामखिलावन प्रजापति ने एसपी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के अनुसार वह गांव में किराने की दुकान चलाता है। 22 अक्टूबर 2025 की शाम दुकान पर बैठने के दौरान उमेश पाल और नरेन्द्र पाल ने पुरानी रंजिश के चलते उसे जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया और कॉलर पकड़कर दुकान से बाहर खींचकर मारपीट की। शोर सुनकर उसकी पत्नी और ग्रामीणों ने बीचबचाव किया, जिसके बाद जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए। पीड़ित का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने शाहनगर थाने पहुंचने पर उसकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। पीड़ित ने प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

दो हेक्टेयर वनभूमि पर अतिक्रमण का प्रयास विफल

नवभारत न्यूज

पन्ना 26 अक्टूबर। आज दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत वनपरिक्षेत्र पवई की पड़रहा बीट में वनभूमि पर अतिक्रमण के प्रयास को वन विभाग की टीम द्वारा समय रहते विफल किया गया। लगभग 2 हैक्टेयर क्षेत्र में हो रहे इस अवैध कब्जे को रोकते हुए तत्काल अतिक्रमण रोधी खंती खोदी गई, जिससे भविष्य में पुनः अतिक्रमण की कोई संभावना न रहे।

साथ ही, स्थल पर बबूल के बीजों का छिड़काव भी किया गया। यह कदम वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे संरक्षण एवं पुनर्स्थापन प्रयासों को और सशक्त बनाएगा। इस अभियान में रेंज ऑफिसर नितेश पटेल के निर्देशन में परिक्षेत्र सहायक भारती कुमार, वनरक्षक दयाराम वर्मा, सीमा साहू, सचेंद्र मोहन, सक्रिय भूमिका रही। दक्षिण पन्ना वनमण्डल ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे वनभूमि की सुरक्षा में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि वन संपदा की रक्षा एवं पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखा जा सके।

मुरारी बापू के नेतृत्व में अगस्त आश्रम पहुंची श्रीराम यात्रा

नवभारत न्यूज

सलेहा/पन्ना 26 अक्टूबर। संत मुरारी बापू के नेतृत्व में 11 दिवसीय श्री राम यात्रा राम पथ गवन तीर्थ क्षेत्र अगस्त मुनि आश्रम सिद्ध नाथ पहुंची ,जहां पर भगवान सिद्धनाथ शिव, बनवासी भगवान श्री राम एवं महाऋषि अगस्त की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पूजन अर्चन किया गया।

इसके उपरांत संत मुरारी बापू द्वारा एकदिवसीय श्री राम कथा परिसर में होकर महा ऋषि अगस्त्य के बारे विस्तार से वर्णन करते हुए कहां कि महाऋषि अगस्त मंत्र सिद्ध के महापुरुष हैं, श्री राम का सुतीक्ष्ण ऋषि से मिलाप के उपरांत अगस्त्य मुनि के आश्रम तक की यात्रा की, वनवास के दौरान श्री राम, सीता और लक्ष्मण ने सुतीक्ष्ण ऋषि से भेंट की, जिन्होंने राम को अपने गुरु अगस्त्य मुनि से मिलने की सलाह दी। सुतीक्ष्ण ऋषि के साथ श्री राम अगस्त्य मुनि के आश्रम पहुंचे। वहां, अगस्त्य मुनि ने दोनों भाइयों का आदर सत्कार किया और उन्हें असुरों के वध में सहायता के लिए दिव्य अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए। और यहां से भगवान श्री राम पंचवटी के लिए प्रस्थान कर गए, इस कथा के दौरान संत मुरारी बापू द्वारा भगवान श्री राम एवं महर्षि अगस्त के जीवन पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से कथा का वर्णन किया गया।

श्री राम यात्रा विशुद्ध रूप से आध्यात्मिक और अंतरात्मा की यात्रा है, यह राम यात्रा सत्य, प्रेम और करुणा की यात्रा है, आयोजन का उद्देश्य वैश्विक है, 26 अक्टूबर को अगस्त मुनि आश्रम सिद्ध नाथ में कथा कहने का अवसर प्राप्त हुआ, 4 नवंबर को अयोध्या में श्री राम कथा का समापन होगा, श्री राम कथा में सलेहा क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं सहित संत मुरारी बापू के साथ आए सैकड़ो राम भक्तों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर श्री राम कथा का श्रवण किया।

असली पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित है, अपात्र ले गये फायदा

नवभारत न्यूज

पन्ना 26 अक्टूबर। शासन की चाहे जिस योजना को देख लिया जाये तो सर्वाधिक फायदा अपात्रों ने उठाया है। गरीब पात्र होते हुए भी अपना हक नहीं पा सका जिस कारण गरीब आज भी गरीब हैं और अपात्र जो धनबल एवं अपनी पहुंच का फायदा उठाकर अपात्र होते ही अधिकांश योजनाओं का लाभ लेता आ रहा है और आज भी ले रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में उक्त योजनाओं का लाभ दिलवाने के लिये सचिव, सरपंच से लेकर अन्य अधिकारी व कर्मचारी लगाए गए हैं लेकिन उनकी बेरूखी की वजह से गरीब निर्धन शासन की महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में लगातार वंचित होता जा रहा है यहां तक कई ऐसे परिवार हैं जिनके पास दो वक्त का भोजन भी नसीब नहीं हो रहा उनके गरीबी रेखा के राशन कार्ड तक नहीं बनाए गए, गरीब एवं निर्धन परिवार के लोग शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये सभी जगह चक्कर काटते रहते हैं, इसका नजारा आए दिन जिला मुख्यालय पन्ना के ऑफिस, दतरों में देखा जा सकता है अपना काम करने के लिये ग्रामीण क्षेत्रों के जो गरीब, किसान, मजूदर यहां आते हैं उन्हें यह तक पता नहीं रहता कि उनका काम कहां से होना है, सारा दिन वह ऑफिस दतरों के चक्कर काटते रहते हैं व जब थक जाते हैं सांय होने पर घर लौट जाते हैं। यह सब जागरूकता की कमी के कारण हो रहा है। जिसका परिणाम है कि आज गरीब आदमी गरीब होता चला जा रहा है तथा अमीर आदमी और आमीर होता चला जा रहा है। केंद्र एवं मध्य प्रदेश शासन द्वारा गरीब व अमीरों के बीच खाई पाटने के लिये एंव सभी वर्गो मे समानता लाने के लिये कई योजनाएं चलाई हैं, जिनकी मूल अवधारणा है पिछडे क्षेत्रों में निवास करने वाले गरीबों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मदद कर उनका जीवन स्तर उठाना, पर इस काम में लगे कर्मचारी अधिकारी बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे और न ही उन्हेंग शासन से मिलने वाली योजनाओं के संबंध में सही जानकारी दी जाती कि जिससे की वह जागरूक हो सके। हर शासकीय योजना को लागू करने के लिये केवल कागजी रूप से अमली जामा पहनाया जाता है आम जनता के बीच धरातल मे कोई भी कार्य नहीं किया जाता, जिसका परिणाम है कि गरीब मजदूर व्यक्ति अपनी मेहनत व लगन से भले ही आर्थिक .ष्टि से समृद्ध हो जाय पर प्रशासन प्रयासों से गरीब का जीवन स्तर ऊपर नहीं उठता।

ग्राम पंचायतों में सचिव, रोजगार सहायक व सरपंच की कोई जबावदेही तय नहीं की गई साथ ही न तो अधिकारियों द्वारा कर वहां की स्थिति जानी जाती जिससे गरीब मजूदर रोजगार पाने के लिये दर दर भटकता रहता है। देश प्रदेश के सारे बैंकों ने हरिजन आदिवासियों को सब्सिडी देकर लोन व कर्ज दिया उसमें दलित वर्ग के लोग कर्जदार हो गये बैंको का कर्जा नहीं दे पाये, क्योंकि उन्हें उनका पूरा रूपया मिला ही नहीं दलाल व अधिकारी मिलकर सब्सिडी खा जाते हैं उन्हें केवल कर्ज वाली राशि मिलती है जो ऊंट के मुंह मे जीरा के समान होती है इन सभी परिस्थितियों के बीच मजदूर, किसान, दलित आफिस दतरों के चक्कर काटते काटते ही परेशान हो जाते हैं, जिला प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए की जो वास्तविक गरीब है उसे शासन की योजनाओं का लाभ कैसे दिलाया जाये जिससे की वह भी अपना परिवार अच्छे से पाल सके।

बिना अनुमति के निर्माण कार्य व दुकानों का संचालन जारी

पन्ना 26 अक्टूबर। शहर मे नियमों की अनदेखी कर बेसमेंट का निर्माण कार्य तथा बेसमेंट में कारोबार, शोरूम और दुकानों का संचालन जारी है। सुरक्षा व्यवस्था को ताक मे रखकर नियमों को धता बताते हुए बेसमेंट में कारोबार बेखौफ हो रहा है। बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं है, क्योंकि यह आग लगने, पानी भराव होने जैसी आपातकालीन स्थितियों में बडी दुर्घटना का कारण बन सकता है। इसके बावजूद, नगर पालिका के अधिकारी इन उल्लंघनों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। गत वर्ष नगर पालिका व राजस्व अधिकारियों ने बेसमेंट की जांच की, लोगों को डर है कि अगर समय रहते इन नियमों का पालन नहीं किया किया गया, तो पन्ना में भी किसी दिन बडी दुर्घटना हो सकती हैं।

चार गांव की दिवाली हुई फरस्वाहा में, सभी टोलिया ने दिखाएं अपने-अपने करतब

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 26 अक्टूबर। दीपावली हो जाने के बाद भी ग्रामीण अंचल में बुंदेलखंड की परंपरा के मुताबिक दीपावली का पर्व कार्तिक माह की पूर्णिमा तक चलता रहता है जिसमें गांव में ढोल नगाड़ों के साथ नगडियां की थाप धुन पर बड़े बूढ़े बुजुर्ग नवयुवक अपने-अपने कर्तव्य दिखाते हैं ।

इसी तरह ग्राम फरस्वाहा में दिवाली का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी किया गया जिसमें चार गांव के लोगों ने भाग लिया जिसमें खमरिया फरस्वाहा शानगुरैया सुनहरा की टोलियां दोपहर से ही ढोल और नगडीया की थाप में कलाबाजियां खाते हुए अपने कर्तव्य दिखाए जिसमें उपस्थित चारों गांव की जनता का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रवि रावत रहे जिन्होंने कलाबाजी खाते लोगों को नगद राशि से पुरस्त किया इस कार्यक्रम में चारों गांव की टोलियां में आपस में कंपटीशन होता है पहले एक-एक गांव की टोलियां अपना कर्तव्य दिखती हैं फिर दूसरे गांव की टोली करतब दिखाती है इसी तरह से चारों गांव की दीपावली की टौलिया अपने अलग-अलग अंदाज में कलाबाजियां दिखाते हैं कोई डांडिया करता है तो कोई गुलाटी मारता है तो कोई पैसे रखकर गुलाटी मार कर उठता रहा कई लोग इसकी धुन पर नाचते रहे एवं लाठियां से भी अपने कर्तव्य दिखाते रहे इस तरह से विभिन्न कर्तव्य टोलिया ने दिखाएं चारों गांव की जनता का मन मोह लिया यह कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुख्य अतिथि रवि रावत के द्वारा चारों गांव की टोलियां को शील एवं नगद राशि से पुरस्त किया गया एवं अच्छा कर्तव्य दिखाने वालों को भी अलग से नगद राशि प्रदान की।

नव युवक क्षेत्र में अपनी बुंदेली परंपरा को कायम रखने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं क्योंकि यह कलाएं दीपावली में क्षेत्रीय कला मानी जाती है इसकी टोलियां महीनों पूर्व से अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए अभ्यास करते हैं और नई-नई प्रतिवर्ष खोज करके लोगों के सामने कलाबाजियां खाकर अपना प्रदर्शन दिखाते हैं।

काली करतूतों पर सफेद पोशों को चुप रहने का भी मिलता है कमीशन

नवभारत न्यूज

पन्ना 26 अक्टूबर। आज समूचे जिले में अफसरशाही हावी है ऐसा कोई विभाग नही है जहां पर घूस खोरी न होती हो। अब तो जिले के कुछ उच्चाधिकारी भ्रष्टाचार में तो लिप्त हैं ही साथ में अब वे खुले आम सुरा सुन्दरी के शौकीन हो गए हैं जिनके लिए सारी व्यवस्थाएं अधीनस्थ कर रहे हैं।

इसमें चाहे उनकी मजबूरी कहें या फिर जिले को हर तरह से लूटने की मंशा ताकि जनप्रतिनिधि एवं राजनेताओं से लेकन उच्चाधिकारियों का भी मुंह हमेशा बन्द रहे। इसी तरह राजनैतिक दलों के बड़े नेताओं से लेकर सामाजिक और व्यापारिक नेताओं को भी जनता का प्रतिनिधि माना गया है। इन जनप्रतिनिधियों का काम जनहित और लोकहित में जुड़ा होता है। इनकी नजर हर उस घटना पर होनी चाहिए जो जनता से सीधे जुड़ाव रखती है। उनकी प्रतिक्रियायें उनके बयान और उनके निर्णय है जो जनप्रतिनिधि होने की सार्थकता देते है। लेकिन आज स्थिति इतनी सामान्य नहीं है। जनप्रतिनिधि केवल उन मामलों में अपनी आवाज उठाते है। जिनमें उनका या उनकी पार्टी का हित जुड़ा हो। अब काले कारनामों के इन चंद उदाहरणों को ही लें कई जनता से जुड़े मामले है परन्तु आश्चर्य की बात है कि किसी भी राजनेता की ओर से किसी भी पार्टी की ओर से इस पर प्रतिक्रिया नहीं आ रही। अपवाद स्वरूप आती भी है तो महज दूसरी पार्टी पर आरोप लगाने तक की भूमिका लेकर। सफेदपोश बिरादरी की यह खामोशी तमाम सवाल खड़े करती है। क्या इन और ऐसी काली करतूतों को अन्जाम देने वालों को संरक्षण इन्हीं से मिलता है। क्या प्रभावी कार्रवाई न होने के लिए राजनैतिक दबाव रहता है। क्या पूर्व में हुई ऐसी घटनाओं में अपराधियों को ऐसे ही बचाया जाता रहा है। क्या राजनेताओं का काम महज संसद या विधानसभा में दीगर बहस करने या उठाने तक है। क्या जनता से जुड़े मसलों पर आगे आकर अपराधियों को सजा दिलाना उनका काम नहीं। अपराध और राजनीति की सांठगांठ तो नहीं।

विपक्षी जुबान भी है खामोश

सरकार को हर मुद्दे पर घेरने का मौका न गंवाने वाले विपक्ष की जुबां भी खामोश है इन काले कारनामें फलते-फूलते रहते हैं और सरकार सोती रहती है। केबिनों में अनैतिक कार्य कराने के एवज में पुलिस तक घूस पहुंचती रही, सरकार को पता नहीं पुलिस की लापरवाही पर नादिरशाही सरकार की कहीं नजर नहीं आई। प्रश्न कौन उठाता स्वाभाविक है यह विपक्ष की जिम्मेदारी भी। लेकिन विपक्ष की जुबान भी खामोस रही है क्यों।

127 वीं बार की प्रधानमंत्री ने मन की बात

नगर परिषद अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सुना प्रसारण

नवभारत न्यूज

पवई 26 अक्टूबर। रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 127 वीं मन की बात देशवासियों से की। जिसका सीधा प्रसारण आकाशवाणी व अन्य माध्यमों से किया गया।

पवई में नगर के प्रथम नागरिक नगर परिषद अध्यक्ष बसंत दहायत,पूर्व मंडल अध्यक्ष मधु गुलाब सोनी,जिला महामंत्री दीपेंद्र सिंह,वार्ड क्रमांक 7 पार्षद देवी खटीक, सी बी गौतम,आर पी सिंह व अन्य भाजपा कार्यकताओं के साथ मन की बात के प्रसारण को सुना। इस बार मन की बात में प्रधानमंत्री ने त्योहारों को लेकर बात की उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले दीपावली मनाई,अब छठ पर्व का उल्लास देश में देखने को मिल रहा है। लोग छठ पूजा में व्यस्त हैं।जगह-जगह घाट सज रहे हैं,हर तरफ श्रद्धा भक्ति और अपनापन का माहौल दिख रहा है। छठ का व्रत रखने वाली महिलाओं का समर्पण और निष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने बिहार झारखंड और पूर्वांचल वासियों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने आगे कहा कि इस बार त्योहारों की रौनक पहले से ज्यादा हो गई है,ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह भारतीयों के लिए गर्व की बात है।इस बार उन इलाकों में भी खुशियों के दीप जलाए गए जहां कभी माओवादी आतंक का अंधेरा छाया रहता था। इसके अलावा उन्होंने जीएसटी में जो छूट दी गई है,उसका भी जिक्र किया जिससे लोगों को फायदा हुआ। उन्होंने भारतीय सेना में भारतीय स्वान को शामिल करने और उन्हें प्रशिक्षण देने की बात का जिक्र किया। साथ में उन्होंने देश के विकास से संबंधित अन्य मुद्दों को लेकर भी सभी के सामने अपनी बात को रखा तथा चिट्ठियों के माध्यम से भेजे गए सुझाव भी लोगों के सामने बताएं।

रैपुरा- बिसानी क्षेत्र की सड़कों में कई ब्लैक स्पॉट, दुर्घटनाओं में हुआ इजाफा

नवभारत न्यूज

पन्ना 26 अक्टूबर। रैपुरा से कुम्हारी तक 14 किमी का बाइक से सफर कर स्टेट हाइवे की हकीकत देखी। इसमें कई खामियां नजर आईं, जिन्हें इस मार्ग पर लगातार हो रहीं दुर्घटनाओं का कारण माना जा सकता है।

दुर्गम पहाड़ी से होकर गुजरी इस सड़क पर एक भी संकेतक बोर्ड नहीं लगे। कई जगह ब्लैक स्पॉट हैं जहां आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। क्रॉसिंग, स्कूल व भीड़-भाड़ वाले स्थानों से भी संकेतक बोर्ड व स्पीड ब्रेकर गायब हैं। सड़क पर कहीं सफेद पट्टी लाइनिंग भी नहीं बनी। यही वजह है कि रात के अंधेरे में तेज रतार वाहन बेकाबू होकर सड़क से उतर कर पलट जाते हैं। इस मार्ग पर जगह-जगह बड़े-बड़े बोल्डर पड़े हैं, जो हादसों की प्रमुख वजह बन रहे। दरअसल, कटनी से दमोह तक 100 किमी लंबा यह स्टेट हाईवे पन्ना जिले के रैपुरा कस्बे से होकर गुजरता है। इस मार्ग पर रैपुरा से दमोह जिले के कुम्हारी तक 14 किमी का मार्ग हादसों के लिए कुख्यात है। इस पूरे मार्ग पर कहीं भी संकेतक बोर्ड लगा नहीं मिला।

परिजनों की शिकायत पर जन औषधि केंद्र में पड़ा छापा, नशीली दवाएं बेंचने पर हुआ सील

नवभारत न्यूज

पन्ना 26 अक्टूबर। जिले मे कुछ मेडिकल स्टोरों मे प्रतिबंधित एवं नशीली दवाओं की बिक्री जारी है जिनकी शिकायत नहीं होने के कारण फल फूल रहे हैं कल एक जन औषधि केंद्र पुरानी कचेहरी के पास संचालित था जिसकी शिकायत नशेडी युवकों के परिजनों ने शिकायत की थी कि उनके द्वारा नशीली दवाएं बेंची जा रही थी जिससे उनके बच्चे बरबाद हो रहे हैं जिस पर सीएमएचओ डॉ. राजेश तिवारी के निर्देशन मे छापामार कार्यवाही कर नशीली दवाएं जप्त की गई।

उक्त मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया। हासिल जानकारी के अनुसार युवक लंबे समय से जन औषधि केंद्र से नींद की दवा खरीदकर उसका सेवन कर रहा था परिजनों का कहना है कि वे दवा विक्रेता से कई बार आग्रह कर चुके थे कि बिना डॉक्टर के परामर्श ऐसी दवाएं न दी जाएं, क्योंकि इससे युवक के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद केंद्र संचालक अभिषेक साहू बार बार युवक को दवाएं उपलब्ध करा रहा था। परिजनों का आरोप है कि संचालक ने शनिवार को खुद युवक को फोन कर कहा दवा आ गई है आकर ले जाओ। जैसे ही युवक दुकान पहुंचा, उसके पीछे पीछे परिजन भी वहां पहुंचे और हंगामा शुरू हो गया। परिजनों ने कोतवाली थाने मे मामले की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद सीएमएचओ कार्यालय से जांच दल भेजा गया। जांच में पाया गया कि केंद्र से बिना डॉक्टर के पर्चे के नियंत्रित श्रेणी की दवाएं बेंची जा रही थीं, जो ड्रग एंड कास्मेटिक एक्ट का उल्लंघन हैं। स्वास्थ्य विभाग ने मामले को गंभीर मानते हुए जन औषधि केंद्र को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया।

कांग्रेस बोली- भाजपा नेता का नशे की गोलियों का अवैध कारोबार:- प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मुकेश नायक ने ट्वीट किया कि पन्ना के कचहरी चैराहे पर सरकारी मेडिकल स्टोर में नशे की गोलियों का अवैध कारोबार भाजपा नेता द्वारा संचालित होना, अत्यंत निंदनीय है। स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के दौरे के ठीक बाद यह खुलासा क्या दर्शाता है? प्रदेश प्रवक्ता ने प्रदेश सरकार से सवाल किया कि पहले जहरीले कफ सिरप से मासूम बच्चों की मौत और अब सरकारी स्टोर से नशा आप कितने लोगों की जिंदगियों से खिलवाड़ करेंगे।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

नवभारत न्यूज

पन्ना 26 अक्टूबर। पन्ना जिले के पवई से लगभग 12 किलोमीटर दूर पन्नी नाला के पास एक हृदय विदारक घटना घटित हुई है,जिसमें कार और मोटरसाइकिल की सीधी भिड़ंत से एक की मौत,एक के घायल होने का मामला सामने आया है।

बताया जाता है कि वार्ड क्रमांक 11 निवासी सचिन सोनी पिता सुरेश सोनी उम्र 38 वर्ष व अनंत राम पिता मिट्ठू लाल प्रजापति उम्र 35 वर्ष मोटरसाइकिल से सवार होकर पन्नी नाला के पास से आ रहे थे,तभी सफेद रंग की कार एमपी 35 सीए 0936 से आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिससे सचिन सोनी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और घायल अनंतराम को 108 के सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई लाया गया,जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे कटनी जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।